Sign in to edit and save changes to this file.

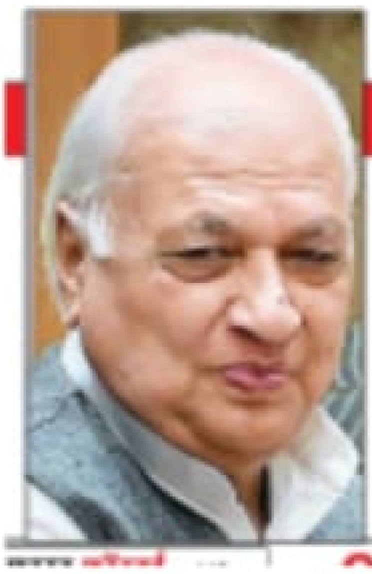

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

अब केरल में राज्यपाल-सरकार के बीच... 12 | जैसे कृषि कानून वापस लिए वैसे ही योगी को भी... 07

जन एक्सप्रेस

लखनऊ
वर्ष: 13 | अंक: 129
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ | रविवार | 20 फरवरी, 2022

छापामार युद्ध कला में पारंगत थे छत्रपति शिवाजी महाराज: कुलपति

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी आर सिंह ने शनिवार को वीर योद्धा, महानायक, छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर उन्हें नमन किया।

कुलपति ने बताया कि 17वीं शताब्दी में मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म 19 फरवरी 1630 को पुणे के शिवनेरी किले में हुआ था। उन्होंने बताया कि इस दिन को शिवाजी की जयंती के रूप में मनाया जाता है। विशेष कर यह उत्सव महाराष्ट्र में पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि छत्रपति शिवाजी महाराज शाहजी भोसले और माता जीजाबाई के पुत्र थे। शिवाजी एक वीर पुरुष थे और छापामार युद्ध कला में प्रवीण थे। उन्होंने बताया कि

इस वर्ष 392वीं जयंती के रूप में मनाया जा रहा है।

उन्होंने महाराष्ट्र की रक्षा के कोंकण छेत्र की रक्षा के लिए नोसेना बल की अवधारणा को पेश किया था। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि शिवाजी महाराज के जीवन से सभी को सीख लेने की जरूरत है। जिससे हम लगन, मेहनत व प्रतिष्ठा के साथ कार्य करें।

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress
WORLD खबर EXPRESS
शनिवार, 19-02-2022 अंक-49
www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com
WORLD खबर एक्सप्रेस
MID DAY E-PAPER

सीएसए में मनाई शिवाजी जयंती

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने वीर योद्धा, महानायक, छत्रपति श्री शिवाजी महाराज जी की जयंती पर उन्हें नमन किया। कुलपति ने बताया कि 17वीं शताब्दी में मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म 19 फरवरी 1630 को पुणे के शिवनेरी किले में हुआ था। छत्रपति शिवाजी महाराज शाहजी भोसले और माता जीजाबाई के पुत्र थे। शिवाजी एक वीर पुरुष थे। और छापामार युद्ध कला में प्रवीण थे।

महानायक शिवाजी महाराज की मनाई जयंती

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने आज वीर योद्धा, महानायक, छत्रपति श्री शिवाजी महाराज जी की जयंती पर उन्हें नमन किया। कुलपति ने बताया कि 17 वीं शताब्दी में मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म 19 फरवरी 1630 को पुणे के शिवनेरी किले में हुआ था। उन्होंने बताया कि इस दिन को शिवाजी की जयंती के रूप में मनाया जाता है।विशेष कर यह उत्सव महाराष्ट्र में पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि छत्रपति शिवाजी महाराज शाहजी भोसले और माता जीजाबाई के पुत्र थे।शिवाजी एक वीर पुरुष थे। और छापामार युद्ध कला में प्रवीण थे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 392वीं जयंती के रूप में मनाया जा रहा है।उन्होंने महाराष्ट्र की रक्षा के कोंकण छेत्र की रक्षा के लिए नोसेना बल की अवधारणा को पेश किया था। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि शिवा जी महाराज के जीवन से सभी को सीख लेने की जरूरत है।

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com |

सीएसए में मनाई गई शिवाजी महाराज की जयंती

कानपुर। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति डॉ.डीआर सिंह ने शनिवार को वीर योद्धा व महानायक छत्रपति श्री शिवाजी महाराज की जयंती पर उन्हें नमन किया। *(एसएनबी)*

वर्ष 16 अंक 50 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, रविवार 20 फरवरी 2022

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक
नगर छाया
आप की आवाज़.....

www.nagarchhaya.com

पेज -4 टेस्ट क्रिकेट में रोहित शर्मा बने कप्तान

सीएसए में मनाई शिवाजी महाराज की जयंती

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने वीर योद्धा, महानायक, छत्रपति श्री शिवाजी महाराज जी की जयंती पर उन्हें नमन किया। कुलपति ने बताया कि 17वीं शताब्दी में मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म 19 फरवरी 1630 को पुणे के शिवनेरी किले में हुआ था। उन्होंने बताया कि इस दिन को शिवाजी की जयंती के रूप में मनाया जाता है। विशेष कर यह उत्सव महाराष्ट्र में पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि छत्रपति शिवाजी महाराज शाहजी भोसले और माता जीजाबाई के पुत्र थे। शिवाजी एक वीर पुरुष थे। और छापामार युद्ध कला में प्रवीण थे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 392वीं जयंती के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने महाराष्ट्र की रक्षा के कोंकण क्षेत्र की रक्षा के लिए नौसेना बल की अवधारणा को पेश किया था। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि शिवा जी महाराज के जीवन से सभी को सीख लेने की जरूरत है। जिससे हम लगन, मेहनत व प्रतिष्ठा के साथ कार्य करें।